लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली

LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

LOK SABHA SPEAKER UNVEILS FIRST STATUE OF SWAMI VIVEKANANDA IN LATIN AMERICA/लोकसभा अध्यक्ष ने लैटिन अमेरिका में स्वामी विवेकानंद की पहली प्रतिमा का अनावरण किया

..

SWAMI VIVEKANANDA GAVE NEW ENERGY TO YOUTH OF INDIA TO FIGHT FOR FREEDOM: LOK SABHA SPEAKER/स्वामी विवेकानंद ने भारत के युवाओं को आजादी की लड़ाई लड़ने के लिए नई ऊर्जा दी थी: लोकसभा अध्यक्ष

…

SWAMI JI'S MESSAGE FOR HUMANITY TRANSCENDS TIME: LOK SABHA SPEAKER/स्वामी जी का संदेश देश और काल की सीमा से परे सम्पूर्ण मानवता के लिए है: लोकसभा अध्यक्ष

…

SWAMI VIVEKANANDA’S TEACHINGS INSPIRE NOT ONLY PEOPLE IN INDIA BUT PEOPLE ACROSS THE WORLD: LOK SABHA SPEAKER/स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं और व्यक्तित्व से भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लोग उनसे प्रेरणा ले रहे हैं: लोकसभा अध्यक्ष

…

SWAMI VIVEKANANDA IS EPITOME OF BEST QUALITIES OF INDIAN CULTURE: LOK SABHA SPEAKER/स्वामी विवेकानंद भारतीय संस्कृति के सर्वश्रेष्ठ गुणों का प्रतिबिंब हैं: लोकसभा अध्यक्ष

…

Mexico City/New Delhi; 3 September 2022: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla unveiled a statue of Swami Vivekananda at Autonomous University of State of Hidalgo in Mexico. This is the first statue of Swami Vivekananda in Latin America.

Speaking on the occasion, Shri Birla said that teachings and personality of Swami Vivekananda have inspired people not only in India but across the world. Today, people all over the world are looking forward to his ideals and taking pledge to follow them for betterment of their lives and society.

Referring to Swami Vivekananda's 1893 speech in Chicago, Shri Birla said that he had beautifully displayed the characteristics of Indian culture in his speech. He felt that Swami Vivekananda's message is for the entire humanity which transcends time and geographical boundaries. Shri Birla felt that unveiling of a statue of Swami Vivekananda in Mexico is a mark of our reverence and respect to him. Shri Birla observed that Swami Vivekananda is an epitome of the best qualities of Indian culture.

Referring to the ideals of Swami Vivekananda in character building and institution building, Shri Birla said that and a just, prosperous and inclusive world can be created through character building by following the path shown by Swami Vivekananda. He has shown the way how we should live our life and how institutions should be built. The message that he has given to the country and society is going to inspire every generation, will show path to them for their future, said Shri Birla.

Speaking on the role of youth in the society, Shri Birla said that Swami Vivekananda had unflinching faith in youth and youth power. He inspired the youth of India to fight for freedom with new energy. Swami Vivekananda reminded India of its strength, made us realize our potential, revived mind and soul, and awakened the national consciousness, said Shri Birla.

Shri Birla also interacted with Indian students, who had gathered in large number at the funcuion for unveiling the statue. He noted that these students are highly inspired by Swami Ji's teachings. There are around 70000 Indian students in Mexico who are pursuing different courses.

After a highly successful visit to Mexico, Shri Birla thanked Mexican Parliament and Government for viewing the visit of Indian Parliamentary Delegation as a platform to boost bilateral relations.

मेक्सिको सिटी/नई दिल्ली; 3 सितंबर 2022: लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने मेक्सिको में हिडाल्गो राज्य के स्वायत्त विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद की एक प्रतिमा का अनावरण किया। यह लैटिन अमेरिका में स्वामी जी की पहली प्रतिमा है।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं और व्यक्तित्व से आज भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में लोग उनसे प्रेरणा ले रहे हैं और उनके आदर्शों पर चलने की शपथ ले रहे हैं।

शिकागो में स्वामी विवेकानंद के 1893 के भाषण की जिक्र करते हुए श्री बिरला ने कहा कि स्वामीजी ने अपने इस भाषण में भारतीय संस्कृति की विशेषताओं को खूबसूरती से प्रदर्शित किया था। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का यह संदेश देश और काल की सीमा से परे सम्पूर्ण मानवता के लिए है। इसलिए मेक्सिको में उनकी मूर्ति का अनावरण उनके प्रति हमारे श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है।

यह विचार व्यक्त करते हुए कि स्वामी विवेकानंद भारतीय संस्कृति के सर्वश्रेष्ठ गुणों का प्रतिबिंब हैं, श्री बिरला ने कहा कि उनके दिखाए रास्ते पर चलकर चरित्र निर्माण के माध्यम से एक न्यायपूर्ण, समृद्ध और समावेशी दुनिया बनाई जा सकती है। व्यक्तित्व निर्माण तथा संस्था निर्माण में स्वामी विवेकानंद के योगदान का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि स्वाजी ने व्यक्ति के सर्वोच्च चारित्रिक गुणों के महत्व और संस्थागत मूल्यों को जिस ढंग से परिभाषित वह आज भी प्रासंगिक है । लोक सभा अध्यक्ष ने आगे कहा कि जो सन्देश स्वामीजी ने देश और समाज को दिया है, वो समय और स्थान से परे, हर पीढ़ी को प्रेरित करने वाला है, रास्ता दिखाने वाला है।

समाज में युवाओं की भूमिका पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का युवाओं और युवा शक्ति पर अखंड विश्वास था। उनकी प्रेरणा ने भारत के युवाओं को आजादी की लड़ाई लड़ने के लिए नई ऊर्जा दी थी। लोक सभा ने आगे बताया कि उन्होंने भारत को उसकी ताकत याद दिलाया, अहसास कराया, उसके सामर्थ्य और मन-मष्तिष्क को पुनर्जीवित किया, राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया।

श्री बिरला ने भारतीय छात्रों से भी बातचीत की, जो प्रतिमा के अनावरण के लिए समारोह में बड़ी संख्या में एकत्रित हुए थे। उन्होंने पाया कि ये छात्र स्वामी जी की शिक्षाओं से अत्यधिक प्रेरित हैं। मेक्सिको में लगभग 70000 भारतीय छात्र हैं जो विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे हैं।

मैक्सिको की अपनी अत्यंत महत्वपूर्ण यात्रा के अंत में श्री बिरला ने मेक्सिकन संसद और सरकार को धन्यवाद दिया कि उन्होंने इस यात्रा को आपसी संबंधों को नई ऊर्जा देने का अवसर बनाया।